Aarti Ki Jai Hanuman Lala Ki, Dushat Dalan Ragunath Kala Ki Ja Ke Bal Se Giriver Kaanpe, Rog Dosh Ja Ke Nikat Na Jaanke. Bhajans Bhakti Songs

आरती की जय हनुमान लाला की, दशहत दलन रघुनाथ कला की।
जा के बाल से गिरिवर कांपे, रोग दोस जा नि निकत न जानके।

अंजनी पुत्रा महाबलदाये, संतान के प्रभु सदा सहये।
दे बेराहा रघुनाथ पठई, लंका जरी सिया सुधि लाई।

लंका सो कोट समुंद्र से खाइ, जात पावन सुत बर न लाय।
लंका जरी असुर सब मारे, सिया रामजी के काज सँवारे।

लक्ष्मण मूरचत परै सकारे, आन सजिवन प्राण उबारें।
पैठ पटाल तोरी यमकरे, अहिरावण के भूजा उखारे।

बयण भुजा असुर दल मारे, दैयन भुजा सब संता जन तारे।

सरनार मुनिजन आरती उतारे, जय जय जय हनुमान उचारे।

कंचन थार कपूर लो छाई, आरती करत अजनी माई।
जो हनुमानजी की आरती गावे, बसि बैकुंठ अमर पद पावे।

लंका विद्या की रघुराई, तुलसीदास स्वामी आरती गाई।
आरती की जय हनुमान लाला की, दशहत दलन रघुनाथ कला की।

पवन तनय संकट हरन मनगल मूरति रूप,
राम लखन सीता साहित हृदय भासु सुर भूप

Source:
https://www.bharattemples.com/aarti-ki-jai-hanuman-lala-ki-dushat-dalan-ragunath-kala-ki-ja-ke-bal-se-giriver-kaanpe-rog-dosh-ja-ke-nikat-na-jaanke/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw